

फर्द अहकाम

(नियम-26)

अज अदालत सहायक कलक्टर (एस.डी.एम.) मुकाम जायल (नागौर)

वादीगण

शिम बिशोर

बनाम

बनाम

प्रतिवादीगण

श्रीतीराम

किस्म प्रकारण : राजस्व प्रार्थना पत्र

मुकदमा नं.- 12/2017-PJ

तारिख हुकम	हुकम या कार्यवाही इनिशिलस जज	नम्बर व तारिख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुये।
14.2.2017	<p>यह प्रार्थना पत्र प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ^{शमनाथसिंह} ने उपस्थित होकर अप्रार्थीगणों के विरुद्ध अधीन धारा 128 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत पेश किया है। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगणों को जरिये सम्मन तलब किया जावे। पत्रावली दिनांक 6.03.2017 को पेश हो।</p> <p>6.3.17 <u>पञ्चसप्त उफा प्रतिवादी से 01 की अटल से म.र. फाडा में दस्तावेज का पेश किया जो शक्ति पत्रावली से प्रतिवादी से 02 का नोटिस तलब होकर जाल दुका कावजूद तामिल जट टाजिल। जति से 02 के विरुद्ध एक पञ्चसप्त कावजूद अगल में जारी जाती है। पत्रावली वाले अकाव से 29-3-17 को पेश हो।</u></p> <p>पक्षकार/पक्षकारान के अधिवक्ता</p> <p>30/3/17 पीठासीन अधिकारी की मिति में भ्रमण अवकाश पर गमे हुए है, इसलिए प्रकरण उनके समक्ष दिनांक. 21.4.17....को प्रस्तुत करें।</p> <p>पक्षकार/पक्षकारान के अधिवक्ता</p> <p>21.4.17 पीठासीन अधिकारी की मिति में भ्रमण अवकाश पर गमे हुए है, इसलिए प्रकरण उनके समक्ष दिनांक. 31.5.17....को प्रस्तुत करें।</p> <p>पक्षकार/पक्षकारान के अधिवक्ता</p> <p>पीठासीन अधिकारी की मिति में भ्रमण अवकाश पर गमे हुए है, इसलिए प्रकरण उनके समक्ष दिनांक. 15.6.17....को प्रस्तुत करें।</p> <p>पक्षकार/पक्षकारान के अधिवक्ता</p> <p>15/7/17 पीठासीन अधिकारी की मिति में भ्रमण अवकाश पर गमे हुए है, इसलिए प्रकरण उनके समक्ष दिनांक. 15.01.17....को प्रस्तुत करें।</p>	

188/17

पत्रकार/पत्रकारिता के अधिकार

15-1-18

पीठाधीन अधिकारी की विधि में/प्रमाण
अवकाश का जो है, इसलिए प्रकरण
उनके सहाय विभाग. 12.3.18 को
प्रस्तुत करें।

पत्रकार/पत्रकारिता के अधिकार

12.3.18

पीठाधीन अधिकारी की विधि में/प्रमाण
अवकाश का जो है, इसलिए प्रकरण
उनके सहाय विभाग. 6.6.18 को
प्रस्तुत करें।

पत्रकार/पत्रकारिता के अधिकार

पीठाधीन अधिकारी की विधि में/प्रमाण
अवकाश का जो है, इसलिए प्रकरण
उनके सहाय विभाग. को
प्रस्तुत करें।

06.6.18

पत्रावली न्याय आप के ड्राफ्ट सिविल
में अथवा सेवा केन्द्र सांडिला में पेश हुई
अध्यायी सं. 01 को जबकि पेश करने हेतु कापी
समप डिया जा चुका है उस के बावजूद
भी अथवा पेश नही किया है। न्याय दिन में
जबकि हेतु एक अनिश्चित अवसर डिया जाता है।
पत्रावली वाले जबकि हेतु दिनांक 11-6-18
को पेश हो।

पेश
रत्नेश्वर
स्वतंत्र 20.7.18
का मुद्रा पेश
करना चाहिए
होने राज
प्रशासकी नही
करना

11.6.18

पत्रावली न्याय आप के ड्राफ्ट सिविल में अथवा
सेवा केन्द्र देहली में पेश हुई अध्यायी सं. 02
तदनुसार ने आदेशिका पर संकट किया कि
रवातेदार सं. नं. 105 की मुद्रा खरी करवाते
हैं तो राजस्वित जमाकित नही होता है
अध्यायी सं. 01 को जबकि हेतु कार-2 अवसर
दिये जाँच व निर्धारित कवाचि श्री प्रण हो चुकी
है उस के बावजूद भी अथवा पेश नही
किया है इसलिये इन का अथवा डाका के
दिया जाता है पत्रावली का अवसोक्त किया

<p>तारीख</p>	<p>रामविशाल वर्नाम मोतीराज वर्मा पीठासीन अधिकारी के लघु हस्ताक्षर सहित आदेश प्रार्थना पत्र सं. 12/2017 P.G.</p>	<p>आदेश की अनुपालना का संक्षिप्त नोट</p>
	<p>जादा/प्राथमिक स्वयं की सहकारिता के रखत स्वयं नम्बर 105 रकबा 18=11 की धा शक्ति की परिचयी माह पर मुठ्ठी बन्दी करवा वाहते हैं। मुठ्ठी बन्दी के आदेश जारी करने में राजदरोगा को कपाली नही है तथा कपारी सं 01 ने निर्धारित अवधि में जबाब पेश नही किया जिस के कारण इनका जबाब वेंडु किया जा चुका है। इसलिए इन का प्रार्थना पत्र स्वीकार करना न्यायोचित है।</p> <p>अतः प्रार्थना का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर तदानीं जायल को आदेश दिया जाता है कि माँजा कैंचरिडा के स्वयं स्वयं नम्बर 105 रकबा 18 की धा 11 खिला के - परिचयी माह पर मुठ्ठी कर पालना दिखा पेश करें। पत्रावली के सं. शुभा होकर नम्बर से कम होकर इफतर दावे की है।</p>	